

वियतनाम में पढ़ाई व शोध करेंगे सीएसजेएमयू के छात्र

राजभवन में वियतनाम के दो विश्वविद्यालय के साथ सीएसजेएमयू ने किया समझौता, राज्यपाल ने कहा - समझौते से शैक्षणिक रिश्ते मजबूत होंगे

कानपुर / लखनऊ । छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए वियतनाम के प्रतिष्ठित दो विश्वविद्यालयों HUTECH University of Technology एवं UEF University of Economics and Finance - के साथ एक सहयोग समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर लखनऊ स्थित राजभवन में औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए।

यह ऐतिहासिक कार्यक्रम उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। सीएसजेएम विश्वविद्यालय की ओर से एमओयू पर हस्ताक्षर कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव राकेश कुमार मिश्रा, डीन अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं शैक्षणिक सहयोग (IRAC) प्रो. सुधांशु पांड्या, डीन अकादमिक प्रो. ब्रिष्ठी मित्रा, तथा स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. आलोक कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं HUTECH University of Technology की ओर से एमओयू पर हस्ताक्षर



कुलपति की मौजूदगी में वियतनाम और सीएसजेएमयू के बीच हुआ एमओयू।

वाइस प्रेसिडेंट प्रो. गुयेन थान फुओंग ने किए। UEF University of Economics and Finance

की ओर से प्रेसिडेंट गुयेन थान जियांग एवं वाइस प्रेसिडेंट न्गो मिन्ह हाई ने हस्ताक्षर किए।

इस एमओयू के अंतर्गत तीनों विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को

सशक्त बनाने के लिए सहयोग किया जाएगा। इसमें फैकल्टी एवं छात्र विनिमय कार्यक्रम, संयुक्त शोध परियोजनाएं, शैक्षणिक कार्यशालाएं, सेमिनार, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा नवाचार को बढ़ावा देने हेतु संयुक्त पहलें शामिल हैं। यह सहयोग न केवल विद्यार्थियों और शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय exposure प्रदान करेगा, बल्कि भारत और वियतनाम के बीच शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को भी मजबूत करेगा।

कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने इस अवसर पर कहा कि “यह समझौता छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। इससे हमारे विद्यार्थियों को वैश्विक मंच पर उत्कृष्ट शैक्षणिक अवसर प्राप्त होंगे और विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय साख और भी सुदृढ़ होगी।”

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह समझौता भारत-वियतनाम के शैक्षणिक रिश्तों को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा।

105 छात्रों का जॉब फेयर में शॉर्टलिस्ट एवं चयनित

कानपुर । सीएसजेएम विश्वविद्यालय एलुमनाई एसोसिएशन , कैपस एलुमनाई एसोसिएशन एवं विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल द्वारा कुलपति जी के मार्गदर्शन में मेगा जॉब फेयर का शुभारंभ विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में प्रति कुलपति प्रो सुधीर कुमार अवस्थी, निदेशक प्रो सुधांशु पांड्या अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो अंशु यादव एवं डॉ उमेश पालीवाल द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि प्रो सुधीर कुमार अवस्थी ने कहा कि विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों का यह सराहनीय कदम है कि वे वर्तमान विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रहे हैं।

स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट निदेशक प्रो सुधांशु पांड्या ने कहा कि वर्तमान सत्र में विद्यार्थियों के प्लेसमेंट के पूर्व उनके व्यक्तित्व विकास पर विशेष जोर दिया जाएगा। डॉ उमेश पालीवाल ने कहा पूर्व छात्र हमेशा आपके साथ है अधिष्ठाता



छात्र कल्याण प्रो अंशु यादव ने सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। निदेशक एलुमनाई डॉ सिधांशु राय ने कहा कि पूर्व छात्रों का संगठन एक मजबूत तंत्र है जो वर्तमान विद्यार्थियों के लिए भविष्य का रोडमैप भी तैयार करेगा। निदेशक कैपस एलुमनाई डॉ विवेक सचान ने कहा कि अपने विद्यार्थियों को हम शत प्रतिशत प्लेसमेंट प्रदान करने का प्रयास करेंगे। निदेशक प्लेसमेंट डॉ प्रवीण भाई पटेल ने

कहा कि प्लेसमेंट विद्यार्थियों की सबसे अहम आवश्यकता होती है। सचिव एलुमनाई एसोसिएशन अर्जित गुप्ता ने कहा कि हम सभी पूर्व छात्र हर संभव प्रयास करेंगे कि हम अपने विद्यार्थियों के सपनों को साकार करवाएं। प्लेसमेंट ऑफिसर सौरभ गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर 20 कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा लगभग 500 विद्यार्थियों के साक्षात्कार आयोजित हुए जिसमें

मुख्य रूप से सुपर हाउस लिमिटेड गोल्डी मसाले पालीवाल डायमोस्टिक दिया पब्लिकेशन इत्यादि ने ग्रुप डिस्कशन एवं मौखिक साक्षात्कार के पश्चात 105 विद्यार्थियों को ₹ 1.8 लाख से लेकर 3.2 लाख रुपए तक में शॉर्टलिस्ट एवं चयनित किया। संयोजक डॉ सिधांशु राय ने बताया कि फरवरी या मार्च माह में मेगा जॉब फेयर का एक और आयोजन किया जाएगा। प्लेसमेंट सेल के सह निदेशक डॉ प्रशांत त्रिवेदी द्वारा सभी एच आर मैनेजर्स का स्वागत किया गया। प्लेसमेंट सेल मैनेजमेंट ट्रेनी प्रतीक एवं अंजली द्वारा कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया गया। इस अवसर पर डॉ सुदेश श्रीवास्तव, डॉ अर्पणा कटियार, डॉ चारुखान, डॉ वारशी सिंह डॉ सुरेंद्र कुमार, डॉ सौम्या अग्रवाल, डॉ राहुल अग्रवाल, डॉ राहुल पाल, डॉ मनोज कुमार सहित प्लेसमेंट सेल के समृद्धि, कृष्णा, गोल्डी यादव मानवेंद्र, रामजी पाल, देवराज तोमर आदि लोग रहे।

जीजीआईसी की छात्राओं का विश्वविद्यालय भ्रमण

कानपुर । जीजीआईसी, फर्रुखाबाद का छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कैपस में शैक्षिक भ्रमण किया। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ रश्मि गोरे तथा डॉ सर्वेश मणि त्रिपाठी ने कहा भ्रमण का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण अंचल की बालिकाओं को विश्वविद्यालय की मूलभूत सुविधाओं से परिचित कराते हुए एकेडमिक प्रोग्राम्स की जानकारी देना तथा उसके लिए आवश्यक कुशलताओं को विकसित करने के लिए छात्राओं को निर्देशन देना भी है। विद्यालय की छात्राएं सभी विभागों में जाकर तथा नवीन शैक्षिक कार्यक्रमों की जानकारी पाकर प्रसन्न थी। विभागों के निदेशक एवं विभाग अध्यक्षों ने छात्राओं का स्वागत किया गया। मिशन शक्ति फेस 5 के अंतर्गत निकटस्थ अंतराष्ट्रीय बालिका दिवस के पूर्व यह शैक्षिक भ्रमण बदलते हुए भारत की तस्वीर उतारने का एक प्रयास है।

सीएसजेएमयू में पीएचडी छात्रों का हुआ ओरिएंटेशन प्रोग्राम

कानपुर । छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विषयों में नव प्रवेशित पी.एच.डी. शोधार्थियों के लिए शैक्षणिक सत्र 2025-26 का अभिमुखीकरण कार्यक्रम विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम लगभग 300 नए शोधार्थियों के लिए उनके शैक्षणिक सफर की शुरुआत का प्रतीक रहा, जिनमें विश्वविद्यालय परिसर तथा सम्बद्ध महाविद्यालयों दोनों के विद्यार्थी शामिल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. नमिता तिवारी, डीन (अनुसंधान) के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने सभी नव प्रवेशित शोधार्थियों का हार्दिक



स्वागत किया और विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, नवाचार तथा अंतःविषयी सहयोग को

प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने

विश्वविद्यालय के सशक्त अनुसंधान समुदाय से जुड़ने पर शोधार्थियों को बधाई दी। उन्होंने उन्हें

सामाजिक रूप से प्रासंगिक, नवोन्मेषी और नैतिक अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया, जो भारत की वैज्ञानिक प्रगति और वैश्विक विकास में योगदान दे सके।

प्रो. पाठक ने कहा कि वास्तविक अनुसंधान जिज्ञासा, सृजनात्मकता और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना से प्रेरित होना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. देश डी. सहदेव, निदेशक, क्वाजर टेक, नई दिल्ली, एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, ने उच्च तकनीकी उपकरणों के स्वदेशी निर्माण एवं उनकी अवधारणा पर प्रेरक व्याख्यान दिया।

नाटक, संगीत और कला के समग्र दृष्टिकोण पर कार्यशाला

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लैंग्वेज के अंग्रेजी विभाग ने “नाटक, संगीत और कला: एक समग्र दृष्टिकोण” पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला की संयोजिका डॉ. सोनाली मोर्या व सह-संयोजक डॉ. प्रभात गौरव मिश्रा रहे। कार्यशाला के दूसरे और अंतिम दिन की शुरुआत पद्मश्री प्रो. भारत गुप्त जी व उनकी पत्नी युक्ति गुप्त का स्वागत करके हुई। इस सत्र में समय की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक नाटक "सारा आकाश" प्रस्तुत किया गया, जिसे स्कूल ऑफ लैंग्वेज के छात्रों द्वारा अभिनीत और बी.ए. ऑनर्स की छात्रा अक्षिता सचान द्वारा निर्देशित किया गया था। यह नाटक विवाहित लड़कियों के अपने ससुराल में शोषण जैसे समकालीन विषय पर केंद्रित था। इसमें इस बात पर बल दिया गया कि लड़कियाँ भी परिवार का उतना ही अभिन्न हिस्सा हैं जितना कि लड़के, और उन्हें विवाहोपरांत सशक्त किया जाना चाहिए, न कि त्याग दिया जाना चाहिए। इसके बाद एकल अभिनय और मोनोलॉग



की पाँच मनमोहक प्रस्तुतियाँ हुईं। ये थीं: शायलॉक - श्रिया शर्मा लेडी मैकबेथ - सामिया राशिद हैमलेट - जिया अरोरा कर्ण - पार्थ सारथी, मिश्रा द्रौपदी - अस्मिता यादव फिर मुंशी प्रेमचंद की कहानी "सद्गति" पर आधारित एक और नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसने दर्शकों को आज के सामाजिक पूर्वाग्रहों पर पुनः विचार करने के लिए प्रेरित किया। प्रो. भारत गुप्त ने इन प्रस्तुतियों पर अपनी अमूल्य समीक्षा दी और कलाकारों के साथ-साथ दर्शकों को भी प्रबुद्ध किया। संयोजिका डॉ. सोनाली मोर्या द्वारा दर्शकों और प्रो. गुप्त के बीच संवाद सत्र का

संचालन किया गया, अंततः कार्यशाला का समापन सह-संयोजक डॉ. प्रभात गौरव मिश्रा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में सभी छात्र-छात्राओं और संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला में स्कूल ऑफ लैंग्वेज के सभी संकाय सदस्य डॉ. अंकित त्रिवेदी, डॉ. सोनाली मोर्या, डॉ. प्रभात गौरव मिश्रा, डॉ. लक्ष्मण कुमार, डॉ. सुमना बिस्वास, डॉ. पूजा अग्रवाल, डॉ. ऋचा शुक्ला, डॉ. दीक्षा शुक्ला, डॉ. शालिनी शुक्ला, मिस सजल आरिफ, डॉ. श्रीप्रकाश मिश्रा, डॉ. प्रीति वर्धन दुबे आदि उपस्थित रहे।

स्टार्टअप मीट में वैश्विक प्रतिस्पर्धा की जानकारी दी गई

कानपुर। सीएसजेएम इनोवेशन फाउंडेशन से जुड़े इनक्यूबेटेड एवं प्री-इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स के लिए आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को नेटवर्किंग, मार्गदर्शन एवं विचार-विमर्श का सुअवसर प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि वक्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए और स्टार्टअप्स को सफलता के नए मार्ग सुझाए राघव शुक्ला, सीएमओ एवं डाइरेक्टर, IPM करियर अश्विनी कुमार, एमडी, CS लिमिटेड एवं संस्थापक, काशीद्वार REIT लिमिटेड इन वक्ताओं ने बाज़ार की वर्तमान प्रवृत्तियों, ब्रांड निर्माण, निवेश रणनीतियों एवं

वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बारे में गहन जानकारी दी, जिससे उपस्थित स्टार्टअप्स को अपने व्यवसाय के विस्तार हेतु महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टियाँ प्राप्त हुईं। आशीष शर्मा एसोसिएट मेंबर E-Cell आईआईटी खड़गपुर की तरफ से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में छत्रपति शाहू जी महाराज इनोवेशन फाउंडेशन की ओर से डॉ शिल्पा डी कायस्था, इनक्यूबेशन मैनेजर अनिल कुमार त्रिपाठी ने अपने संबोधन में बताया की स्टार्ट अप अगर अपनी नीतियों में सुधार कर सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ सकते है। शैलेन्द्र यादव, जसवंत यादव एवं पवन की उपस्थिति रही।



फार्मास्युटिकल साइंसेज ने दो एमओयू किए



कानपुर। सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज ने आइडियल लाइफ हेल्थकेयर लिमिटेड और सिग्ना फार्मास्युटिकल्स के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

सेंटर ऑफ एकेडमिक भवन में हुए एक कार्यक्रम में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कुलपति प्रोफेसर विनय पाठक, प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर सुधीर

कुमार अवस्थी और रजिस्ट्रार राकेश कुमार मिश्रा की उपस्थिति में किए गए।

समारोह में डॉ विशाल भार्गव, प्रबंध निदेशक आइडियल लाइफ हेल्थकेयर लिमिटेड और डॉ सुरभ भार्गव, प्रबंध निदेशक सिग्ना फार्मास्युटिकल्स की उपस्थिति थी। फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग की निदेशक डॉ

शशि किरण मिश्रा ने प्रशिक्षण, इंटरशिप, औद्योगिक दौरे और प्लेसमेंट के नए क्षितिज प्रदान करने के संदर्भ में समझौता ज्ञापन के लाभों पर प्रकाश डाला।

इस समारोह में डॉ मीनाक्षी गुप्ता और डॉ अनुप्रिया कपूर, सहायक निदेशक, डॉ निशा शर्मा और विभाग के सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

ज्योतिषियों के एक हाथ में पंचांग तो दूसरे हाथ में होगा टैबलेट

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के दीन दयाल शोध केंद्र के अंतर्गत संचालित ज्योतिर्विज्ञान के छात्र-छात्राओं को स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत टैबलेट दिया गया।

दीन दयाल सभागार में आयोजित कार्यक्रम में गुरुरार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के कुशल मार्गदर्शन में तथा प्रतिकुलपति एवं दीनदयाल शोध संस्थान के निदेशक प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने छात्र-छात्राओं को टैबलेट प्रदान किए।

इस अवसर पर प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने कहा कि “ ज्योतिर्विज्ञान की पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्रों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने और आधुनिक उपकरणों का उपयोग प्रयोग करके वैश्विक स्तर पर कालगणना व

● सीएसजेएमयू में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत टैबलेटों का हुआ वितरण
● ज्योतिर्विज्ञान के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को दीन दयाल सभागार में बांटा गया टैबलेट

फलादेश निकलने में यह बहुत ही सहायक होगा। ” दीनदयाल शोध केंद्र के सहायक निदेशक डॉ दिवाकर अवस्थी ने कहा कि सरकार के द्वारा इस योजना से लाभान्वित होने वाले शिक्षार्थी डिजिटली बहुत ही सशक्त होंगे। जो इनके कैरियर में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। इस टैबलेट वितरण कार्यक्रम में डॉ श्रवण कुमार द्विवेदी, ज्योतिषाचार्य स्वयं प्रकाश अवस्थी और नोडल अधिकारी संगम बाजपेयी सहित कई छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में विश्व दृष्टि दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में विश्व दृष्टि दिवस (वर्ल्ड साइट डे) मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डा० मुनीशरस्तोगी, आर.के. देवी आईरिसचर्च इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ नेत्ररोग विशेषज्ञ डा० गौरव दुबे, संस्थान के सहायक निदेशक डा० हिना वैश्य एवं धीरज कुमार, एसो० डीन प्रशासन डा० दिग्विजय शर्मा एवं वरिष्ठ शिक्षिका डा० वर्षा प्रसाद द्वारा किया गया।

इस अवसर पर डा० गौरव दुबे ने अपना विचार व्यक्त करते हुये कहा कि ग्लूकोमा कैटारेक्ट रिफ्लेक्टिव एरर दृष्टि दोष और नेशनल कंट्रोल प्रोग्राम फॉर ब्लाइंडनेस एवं विभिन्न प्रकार नेत्र समस्याओं के बारे में बताया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को नेत्र स्वास्थ्य एवं दृष्टि देखभाल के



महत्व एवं विश्व दृष्टि दिवस की थीम “लव्स योर आईस” पर नेत्र सम्बन्धी जागरूकता स्थापित करना, शीघ्र जाँच एवं उपचारों के महत्व को बताया

कि - टाले जा सकने वाले अंधेपन को कम करने, गुणवत्तापूर्ण नेत्र देखभाल का बढ़ावा देने और दृष्टिदोष के बढ़ते मामलों को सम्बोधित करने के

लिये आवश्यक प्रयास किये जाने की आवश्यकता है एवं संभावित तकनीकों के साथ जुड़ाव इसमें अहम भूमिका निभा सकता है। संस्थान के निदेशक डा०

मुनीशरस्तोगी ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि इस दिन का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर नेत्र स्वास्थ्य और दृष्टि देखभाल के महत्व को उजागर करना है विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता रंगोली प्रतियोगिता एवं पी.पी.टी. प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें ऑटोमेट्री के विभिन्न छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनको प्रोत्साहन प्रदान करने के लिये संस्थान की ओर से छात्र-छात्राओं को पदक एवं प्रमाण-पत्र भी प्रदान किये गये। कार्यक्रम का संचालन विश्वदीप मिश्रा ने किया तथा इस अवसर पर नेहा शुक्ला, चन्द्रशेखर कुमार डा. आदर्श कुमार, आमिना जैदी, उमेश कुमार मोर्या डा० अल्का कटियार, संतोष कुमार, दयाशंकर रस्तोगी, डा० मोहित कुमार, अस्मिता मिश्रा, डॉ. विरेंद्र कुमार मोर्य सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

गुलमोहर 2.0 में नित्या और हिर्दिका ने बाजी मारी

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्रों ने ओपन माइक गुलमोहर 2.0 में दिखाया अपना हुनर

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की प्रेरणा और मार्गदर्शन में शुक्रवार को आयोजित “गुलमोहर 2.0” ओपन माइक प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की रचनात्मकता व अभिव्यक्ति का शानदार संगम देखने को मिला। दोनदयाल सभागार में हुए इस आयोजन ने छात्रों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का खुला मंच प्रदान किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने कविता, गीत, गज़ल, कहानी और स्टैंड अप कॉमेडी के माध्यम से अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। अतिथि वक्ता के रूप में प्रसिद्ध कवयित्री एवं गीतकार नीरू श्रीवास्तव (एलुमिनी डीजेएमसी) ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। उन्होंने कहा कि कविता और अभिव्यक्ति समाज की संवेदनाओं का दर्पण होती है। कार्यक्रम के दौरान नीरू श्रीवास्तव ने अपनी लोकप्रिय कविताओं का पाठ किया। जिसे श्रोताओं से खूब सराहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. विशाल शर्मा ने की और समन्वयक के रूप में डॉ. ओम



शंकर गुप्ता व डॉ. रश्मि गौतम ने आयोजन की शुरुआत की। सभागार विद्यार्थियों की ऊर्जा और आत्मविश्वास से गुंज उठा। निर्णायक मंडल द्वारा विजेताओं की घोषणा के बाद उत्साह अपने चरम पर पहुंचा। काव्यपाठ श्रेणी में नित्या कटियार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि अदिति सचान

द्वितीय और शिवेंद्र सिंह तृतीय स्थान पर रहे। स्टैंड अप कॉमेडी श्रेणी में हिर्दिका ने पहला स्थान हासिल किया, वर्षा द्वितीय और सुनैना तृतीय स्थान पर रहीं। सभी विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समापन पर विभागाध्यक्ष डॉ. विशाल शर्मा ने कहा

कि “पत्रकारिता विभाग विद्यार्थियों की सृजनात्मकता और आत्म-अभिव्यक्ति को निखारने का माध्यम बन रहा है। गुलमोहर इसी दिशा में एक सुंदर पहल है।” राष्ट्रीय गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। आयोजन में डॉ. जितेंद्र डबराल, डॉ. दिवाकर

अवस्थी, डॉ. हरिओम कुमार, डॉ. योगेंद्र कुमार पाण्डेय, सागर कन्नौजिया, प्रेम किशोर शुक्ला और छात्र आयोजन समिति में अविगत रमाभ, प्रांजल सचान, प्रियंका कठेरिया, हरि ओम तिवारी, सौम्या सेंगर, अली हसन, इंद्रेश तिवारी, यश बाजपेयी, मिताली सिंह आदि उपस्थित रहे।

प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस का उन्नत इमेजिंग सिद्धांतों व नैदानिक रेडियोलॉजी विषय पर चर्चा

कार्यशाला

यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेस सैफई, इटावा द्वारा “एमआरआई पल्स सीवेंस” विषय पर हुई कार्यशाला

इमेजिंग सिद्धांतों और नैदानिक रेडियोलॉजी में उनके नैदानिक अनुप्रयोगों पर विस्तार से बताया गया

कानपुर। विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो० विनय कुमार पाठक के प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में सोमवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के अंतर्गत डॉ. अनिल यादव, उत्तर प्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेस, सैफई, इटावा द्वारा “एमआरआई पल्स सीवेंस” विषय पर एक कार्यशाला किया गया, जिसमें उन्नत इमेजिंग सिद्धांतों और नैदानिक रेडियोलॉजी में उनके नैदानिक अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला गया। यह कार्यक्रम स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस के निदेशक



डॉ. मुनीश रस्तोगी के निर्देशन में आयोजित और समन्वित किया गया था, जिसमें धीरज कुमार (सहायक निदेशक) ने सक्रिय अकादमिक समन्वय प्रदान किया। जिन्होंने छात्रों के लिए व्यावहारिक अनुभव और

पेशेवर मेंटरशिप के महत्व पर जोर दिया। इस कार्यशाला से विभिन्न छात्र-छात्राएं लाभान्वित हुये। इस अवसर पर संतोष कुमार यादव, अनू वर्मा, वीरेंद्र कुमार मौर्वा आदि समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

शेष खबर (पेज -1)

कानपुर। विशेष रूप से स्कैनिंग टनलिंग माइक्रोस्कोप और एटॉमिक लेयर डिपोजिशन सिस्टम जैसे अत्याधुनिक उपकरणों के विकास में भारतीय तकनीक की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. सहदेव ने शोधार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने अनुसंधान को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप बनाएं और आत्मनिर्भर तथा ज्ञान-आधारित भारत के निर्माण में योगदान दें।

प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी, ने “Key Concepts of Research and Career Development” विषय पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने अनुसंधान डिजाइन, डेटा अखंडता तथा अकादमिक नैतिकता के मूलभूत सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने शोधार्थियों को अपने पी.एच.डी. कार्यक्रम के दौरान एकाग्रता, धैर्य और जुनून बनाए रखने की सलाह दी।

अभियुक्तिकरण कार्यक्रम में उपस्थित निगरानी प्रणाली, अनुसंधान पद्धति, वैज्ञानिक प्रकाशन,

पेटेंट तथा बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) से संबंधित उपयोगी सत्र भी शामिल थे। इन सत्रों का उद्देश्य शोधार्थियों को विश्वविद्यालय के नियमों एवं अनुसंधान और नवाचार के व्यापक परिदृश्य से परिचित कराना था। कार्यक्रम में डीन (अकादमिक), डीन (प्रोजेक्ट्स) तथा अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ (R&D Cell) के सदस्य सहित अनेक प्राध्यापकगण उपस्थित रहे, जिन्होंने नव प्रवेशित शोधार्थियों के मार्गदर्शन हेतु अपना समर्थन एवं सहयोग व्यक्त किया।

कार्यक्रम का समापन एक सामूहिक संवाद सत्र के साथ हुआ, जिसमें शोधार्थियों ने अपने अनुभव एवं अपेक्षाएँ साझा कीं तथा विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों से उपयोगी मार्गदर्शन प्राप्त किया।

इस आयोजन का सफल संचालन अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ (Research and Development Cell) तथा कैम्पस रिसर्च प्रमोशन सेल द्वारा किया गया। इस अभियुक्तिकरण कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के कई शोधार्थी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

एनएसएस के छात्रों ने सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में किया जागरूक

जागरूकता अभियान

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की पाँचवीं इकाई (डॉ. बी.सी. रॉय इकाई) ने विश्वविद्यालय में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इस अभियान का उद्देश्य छात्रों, कर्मचारियों और आगंतुकों के बीच सुरक्षित ड्राइविंग आदतों, यातायात नियमों और दुर्घटना निवारण के बारे में जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम का आयोजन कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक, प्रति कुलपति प्रोफेसर सुधीर कुमार अवस्थी, कुलसचिव राकेश कुमार मिश्रा, छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष प्रो. अंशु यादव, व्यवसाय प्रबंधन संकाय के निदेशक प्रो. सुधांशु पांडेया और एनएसएस की पाँचवीं इकाई के कार्यक्रम



अधिकारी, सहायक प्रोफेसर प्रकाश नारायण पांडे के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा "सुरक्षा पहले, जीवन पहले" के नारे के साथ हुई, जिसने सभी को सड़क सुरक्षा नियमों का ईमानदारी और जागरूकता के साथ पालन करने के

लिए प्रेरित किया। सड़क सुरक्षा अभियान का नेतृत्व एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी प्रकाश नारायण पांडे ने एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ किया।

डॉ. प्रशांत त्रिवेदी और डॉ. राहुल अग्रवाल सहित अन्य संकाय सदस्यों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और वाहन चलाते समय अनुशासन और

जागरूकता के महत्व पर जोर दिया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने इस अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने लोगों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने और यातायात संकेतों का पालन करने के महत्व के बारे में शिक्षित

करने के लिए जागरूकता रैलियाँ, पोस्टर प्रदर्शनियाँ और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए। स्वयंसेवकों के समर्पण और सक्रिय भागीदारी ने सामाजिक उत्तरदायित्व और नागरिक चेतना की भावना का प्रदर्शन किया, जिससे सभी को एक सुरक्षित, अनुशासित और ज़िम्मेदार समाज के निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा मिली। यह कार्यक्रम सीएसजेएम विश्वविद्यालय में यातायात दुर्घटनाओं को कम करने और युवाओं में सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने के चल रहे प्रयासों में एक और कदम है।

प्रतिभागियों ने कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति विश्वविद्यालय के समर्पण को पुष्ट करते हुए, सड़कों पर सुरक्षित आवागमन और सतर्कता के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।



छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्रों द्वारा कौशल क्षमता वर्धन हेतु प्रकाशित सप्ताहिक ई-समाचार पत्र कैम्पस न्यूज। संरक्षक- प्रोफेसर विनय कुमार पाठक (कुलपति, सीएसजेएमयू), मार्गदर्शक- डॉ. विशाल शर्मा (विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), परामर्शदाता- डॉ. हरिओम कुमार (सहायक आचार्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), सागर कनौजिया (मीडिया इंस्ट्रक्टर, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), छात्र संपादक एवं पृष्ठ सज्जाकार- हरि ओम तिवारी (एमएजेएमसी)। अधिक जानकारी के लिए हमारे सोशल मीडिया अकाउंट पर सम्पर्क करें।